संख्या-1581/2026/1013/22-2-2026-17(592)/2026

प्रेषक,

सूर्य प्रकाश मिश्र,
संयुक्त सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

पुलिस महानिदेशक/महानिरीक्षक,
कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवायें,
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

कारागार प्रशासन एवं सुधार अनुभाग-2 लखनऊ: दिनांक 06 नवम्बर, 2026

विषय:- जिला कारागार सुलतानपुर में निरुद्ध सिद्धदोष बंदी इन्द्रजीत सरोज पुत्र श्री रामलखन, निवासी जनपद-प्रतापगढ की फार्म-ए/लाईसेंस के आधार पर समयपूर्व रिहाई के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक उप महानिरीक्षक (मु0), कारागार के पत्र संख्या-20825/प्रो0अनु0(7)-फार्म-ए सीमित कारावास/15/2026(बै0 दि0 20.04.2026) दिनांक-26.05.2026 का कृपया संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें।

2- उक्त पत्र द्वारा उपलब्ध कराये गये प्रस्तावानुसार जिला कारागार सुलतानपुर में निरुद्ध सिद्धदोष बंदी इन्द्रजीत सरोज पुत्र श्री रामलखन, तेकानियापुर, थाना-सांगीपुर, जिला-प्रतापगढ का निवासी है। बन्दी द्वारा दिनांक-29.06.2011 को अपनी 01 सहअभियुक्ता के साथ मिलकर वादी मुकदमा की 08 वर्षीय पुत्री को विक्रय करने हेतु टी०वी० दिखाने का लालच देकर घर के अन्दर ले जाकर गेहूँ के ड्रम में छिपाने का अपराध कारित किया गया। उक्त अपराध हेतु सिद्धदोष बन्दी को सत्र परीक्षण संख्या-255/2011 में धारा-368/34, 506, आई०पी०सी० में मा० न्यायालय अपर सत्र न्यायाधीश एफ० टी० सी० प्रथम सुल्तानपुर के आदेश दिनांक-25.10.2023 द्वारा 07 वर्ष के कारावास से दण्डित किया गया। बन्दी की अपील मा० उच्च न्यायालय, खण्डपीठ लखनऊ के समक्ष विचाराधीन है। बन्दी द्वारा दिनांक-10.09.2025 तक अपरिहार 03 वर्ष, 03 माह, 15 दिन तथा 03 वर्ष, 09 माह, 04 दिन की सपरिहार सजा भोगी गयी है।

3- जिला प्रोवेशन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट, प्रतापगढ़ द्वारा मा० उच्चतम न्यायालय द्वारा निर्दिष्ट 05 बिन्दुओं की आख्या में बन्दी द्वारा पुनः अपराध करने में अशक्त नही होने, बन्दी को जेल में निरूद्ध रखने का सार्थक प्रयोजन होने, बन्दी के परिवार की सामाजिक आर्थिक दशा बन्दी की समयपूर्व रिहाई हेतु उपयुक्त नही होने की आख्या अंकित करते हुए समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की गयी।

4- प्रोबेशन बोर्ड का अभिमत है कि दिनांक-29.06.2011 को अभियुक्त द्वारा अपनी 01 सहअभियुक्ता के साथ मिलकर वादी मुकदमा की 08 वर्षीय पुत्री को विक्रय करने हेतु टी०वी० दिखाने का लालच देकर घर के अन्दर ले जाकर गेहूँ के ड्रम में छिपाने का अपराध कारित किया गया। जिला प्रोबेशन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक व जिला मजिस्ट्रेट द्वारा सम्यक् परीक्षण कर माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा निर्दिष्ट 05 बिन्दुओं की आख्या में समयपूर्व रिहाई का विरोध किया गया है। प्रकरण

3- यह शासनादेशइलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है।
4- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.inसे सत्यापित की जा सकती है ।

से सम्बंधित ऐसा कोई तथ्य परिलक्षित नही है, जिसके आधार पर जिला प्रोबेशन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक तथा जिला मजिस्ट्रेट की आख्या/संस्तुति के प्रतिकूल अवधारणा बनाई जा सके। इस प्रकार बन्दी द्वारा किये गये अपराध की गम्भीरता एवं जघन्यता के दृष्टिगत प्रिजनर्स रिलीज आन प्रोबेशन एक्ट-1938 की धारा-2 के अन्तर्गत सिद्धदोष बंदी इन्द्रजीत सरोज पुत्र रामलखन को फार्म-ए/लाईसेंस के आधार पर रिहा किये जाने की संस्तुति नहीं की गयी।

5- उपरोक्त वर्णित तथ्यों के परिप्रेक्ष्य में मुझे यह सूचित करने का निदेश हुआ है कि जिला कारागार सुलतानपुर में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी इन्द्रजीत सरोज (बन्दी संख्या-341/2023) पुत्र श्री रामलखन, निवासी जनपद-प्रतापगढ के फार्म-ए/लाईसेंस पर यू0पी0 प्रिजनर्स रिलीज आन प्रोबेशन एक्ट,1938 की धारा-2 के प्राविधानों के अन्तर्गत सम्यक् विचारोपरान्त उसे मुक्ति का पात्र नहीं पाया गया है। अतएव उक्त बन्दी की लाइसेन्स पर मुक्ति श्री राज्यपाल द्वारा अस्वीकार कर दी गयी है। तदनुसार उसके फार्म-ए/लाईसेंस पर शासन के आदेश अंकित करके एतद्द्वारा वापस लौटाया जा रहा है। कृपया प्राप्ति स्वीकार करते हुए शासन के निर्णय से बन्दी को तत्काल अवगत कराने का कष्ट करें।

संलग्नक: यथोपरि।

(बन्दी का फार्म-ए एवं समस्त पत्रादि सहित)

भवदीय,
सूर्य प्रकाश मिश्र
सयुंक्त सचिव।

संख्या-1581/2026/1013(1)/22-2-2026 एवं तद्दिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1- जिला मजिस्ट्रेट, प्रतापगढ।
2- अधीक्षक जिला कारागार सुलतानपुर।
3- गार्ड फाइल।

आज्ञा से,
कमलेश कुमार
उप सचिव।

http://shasanadesh.up.gov.in

1- यह शासनादेशइलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है।
2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.inसे सत्यापित की जा सकती है ।

शासनादेश संख्या-1581/2026/1013/22-02-2026-17(592)/2026

दिनांक: 06 नवम्बर, 2026 का संलग्नक

जिला कारागार सुलतानपुर में निरुद्ध सिद्धदोष बंदी इन्द्रजीत सरोज पुत्र श्री रामलखन, तेकानियापुर, थाना-सांगीपुर, जिला-प्रतापगढ का निवासी है। बन्दी द्वारा दिनांक-29.06.2011 को अपनी 01 सहअभियुक्ता के साथ मिलकर वादी मुकदमा की 08 वर्षीय पुत्री को विक्रय करने हेतु टी०वी० दिखाने का लालच देकर घर के अन्दर ले जाकर गेहूँ के ड्रम में छिपाने का अपराध कारित किया गया। उक्त अपराध हेतु सिद्धदोष बन्दी को सत्र परीक्षण संख्या-255/2011 में धारा-368/34, 506 आई०पी०सी० में मा० न्यायालय अपर सत्र न्यायाधीश एफ० टी० सी० प्रथम सुल्तानपुर के आदेश दिनांक-25.10.2023 द्वारा 07 वर्ष के कारावास से दण्डित किया गया। बन्दी की अपील मा० उच्च न्यायालय, इलाहाबाद खण्डपीठ लखनऊ के समक्ष विचाराधीन है। बन्दी द्वारा दिनांक-10.09.2025 तक अपरिहार 03 वर्ष, 03 माह, 15 दिन तथा 03 वर्ष, 09 माह, 04 दिन की सपरिहार सजा भोगी गयी है।

जिला प्रोवेशन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट, प्रतापगढ़ द्वारा मा० उच्चतम न्यायालय द्वारा निर्दिष्ट 05 बिन्दुओं की आख्या में बन्दी द्वारा पुनः अपराध करने में अशक्त नही होने, बन्दी को जेल में निरूद्ध रखने का सार्थक प्रयोजन होने, बन्दी के परिवार की सामाजिक आर्थिक दशा बन्दी की समयपूर्व रिहाई हेतु उपयुक्त नही होने की आख्या अंकित करते हुए समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की गयी।

प्रोबेशन बोर्ड का अभिमत है कि दिनांक-29.06.2011 को अभियुक्त द्वारा अपनी 01 सहअभियुक्ता के साथ मिलकर वादी मुकदमा की 08 वर्षीय पुत्री को विक्रय करने हेतु टी०वी० दिखाने का लालच देकर घर के अन्दर ले जाकर गेहूँ के ड्रम में छिपाने का अपराध कारित किया गया। जिला प्रोबेशन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक व जिला मजिस्ट्रेट द्वारा सम्यक् परीक्षण कर माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा निर्दिष्ट 05 बिन्दुओं की आख्या में समयपूर्व रिहाई का विरोध किया गया है। प्रकरण से सम्बंधित ऐसा कोई तथ्य परिलक्षित नही है, जिसके आधार पर जिला प्रोबेशन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक तथा जिला मजिस्ट्रेट की आख्या/संस्तुति के प्रतिकूल अवधारणा बनाई जा सके। इस प्रकार बन्दी द्वारा किये गये अपराध की गम्भीरता एवं जघन्यता के दृष्टिगत प्रिजनर्स रिलीज आन प्रोबेशन एक्ट-1938 की धारा-2 के अन्तर्गत सिद्धदोष बंदी इन्द्रजीत सरोज पुत्र रामलखन को फार्म-ए/लाईसेंस के आधार पर रिहा किये जाने की संस्तुति नहीं की गयी।

उक्त के दृष्टिगत सम्यक् विचारोपरान्त श्री राज्यपाल द्वारा बंदी की फार्म-ए/लाईसेंस के आधार पर समयपूर्व रिहाई अस्वीकार कर दी गयी है।

सूर्य प्रकाश मिश्र
संयुक्त सचिव।

http://shasanadesh.up.gov.in

1- यह शासनादेशइलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.inसे सत्यापित की जा सकती है ।